

जदवी १५ युनियन जल

राज्य २९९/०२

द्वयम या कार्यवाही

नम्बर व तारीख  
अह काम जो  
इस हुयम जो  
तामील में  
जारी हुए

दिनांक

०-०५

दिनांक 18/12/02 को हुई, जलवाही 299/02 को  
30-10-02 को ही उठा कर दिया था, इससे  
साक्षर हैं कि मैं अपने लक्ष्य के लिए जाया हूँ।  
इन्के कृपया राजा पेश करो किमा है। इन्के  
द्वारा 100% का प्रमाण देने के बाद 299/02  
में जलवाही उठा किमा है। जिलेकी मरक.12 में भी  
objection किमा है। इसलिये consultation का  
हुआ 288ru है। कनाकर भी तब किमा जलवाही/  
इसके पक्ष के तर्कों पर गौर किमा  
तथा पत्रावलि पों का अनुलोका किमा बाद  
से 299/02, तथा 299/02 दोनों में पत्रावलि  
एवं विरथा समाप्त हैं। तथा राजा से 299/02  
इन्की सतीराप 45 कपले पूर्व का है। अतः इस  
बाद से 299/02 को पूर्व बाद से 299/02 के  
साथ consultation किमा जाता है तथा दोनों  
बादों को एक साथ जोड़कर किमा जलवाही/  
१६  
५/५/०५

उप बण्ड अधिकारी  
नगर (भरतपुर)

पीठासीन अधिकारी महोदय भ्रमण/  
अवकाश पर हैं, पत्रावली पूर्वानुसार  
दि०.....को पेश है।

8-16

पत्रावली प्रकृत हुई. गार-कार इन्के  
दिलेखवादे के बावजूद भी बादी एवं  
इन्के नकील उप. नदी अतः राजा को  
अद्वय हाकरी अद्वय जैसी में खारिज  
किमा जाता है। पत्रावली देख ल.  
धुमार ठेका का पत्र है।

(निर्माण लक्ष्य पत्रावली)  
सहायक कलक्टर  
(फास्ट्रिक)  
नगर (भरतपुर) राज.



दी  
गोडे